शाजापुर

नवभारत 04

इंदौर, रविवार, 20 जुलाई 2025

तहसीलदार और डॉक्टरों में तू-तू, मैं-मैं, इधर सटोरियों में जूतम पैज़ार

डॉक्टरों ने मरीज को छोड़कर तहसीलदार पर कार्रवाई की मांग की तो पटवारी तहसीलदार के समर्थन में आए

शाजापुर, 19 जुलाई. आमजन झगडें तो उनको समझाईश के लिए पुलिस और प्रशासन रहता है, लेकिन जब प्रशासन के अधिकारी ही आपस में बच्चों जैसे झगडे तो उन्हें कौन समझाए. सिविल सेवा आचरण को ताक में रखकर सरकारी डॉक्टर और तहसीलदार आपस में भीड गए, दोनों का विवाद गली मोहल्ले की लड़ाई के स्तर का था. एक तरफ डॉक्टर बोलते हैं कि वे मानव सेवा के लिए नौकरी कर रहे हैं, लेकिन तहसीलदार से विवाद के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को भगवान भरोसे छोड़कर थाने पहुंचे डॉक्टर एफआईआर कराने तो वहीं पटवारियों ने भी लगे हाथ तहसीलदार के पक्ष में अपनी एकता दिखाने का मौका नहीं गंवाया.

गौरतलब है कि शनिवार को जिला अस्पताल में अतिक्रमण हटाने पहुंचे शाजापुर तहसीलदार से जिला चिकित्सालय के डॉक्टर का विवाद हो गया. हालांकि तहसीलदार अस्पताल में उसी अंदाज में पहुंचे थे जैसे वे किसी अपराधी को पकड़ने गए हों. डॉक्टरों से तहसीलदार का जबरदस्त विवाद हुआ और झूमा झटकी भी हुई. इससे नाराज डॉक्टरों ने थाने पहुंचकर तहसीलदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया. इसी तरह पटवारियों ने भी लगे हाथ धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया. अब जिला प्रशासन के सामने चुनौती इस बात की है कि वे इस विवाद को कैसे हल कराएं.

तहसीलदार और डॉक्टर के बीच जिला अस्पताल परिसर में कुछ इस तरह हुई झूमा-झटकी

दोनों विभाग के अधिकारी ने मर्यादा की तार-तार

तहसीलदार सुनील पाटिल जिला चिकित्सालय में अतिक्रण हटाने को पहुंचे लेकिन तहसीलदार के तेवर मुख्यमंत्री से कम नहीं थे, उनके चेहरे से ही गुस्सा झलक रहा था और वे अपनी आप को सुपर सीएम और सुपर डीएम से ऊपर मान रहे थे. जाते ही उन्होंने तू तड़ाक से बात की. इसके बाद डॉक्टरों ने भी उसी भाषा में जवाब दिया. अस्पताल की बात करें तो डॉक्टर भी जींस टी शर्ट में नजर आए. कहीं से भी वे डॉक्टर कम और मेडिकल कॉलेज के छात्र ज्यादा नजर आ रहे थे. पूरा शहर दोनों विभाग के अधिकारियों की इस बचकाना हरकत से शर्मिंदा हो रहा था.

अस्पताल में किसने लगाए गांजे के पौधे...

जिला अस्पताल में अतिक्रमण हटाने के दौरान तहसीलदार और डॉक्टरों के विवाद के बीच आश्चर्य और चौंकाने वाली बात यह है कि मंदिर के समीप गांजे के पौधे किसने लगाए. जहां अस्पताल में मरीजों का उपचार किया जाता है और नशे से दूर रहने की सलाह दी जाती है उसी अस्पताल परिसर में गांजे के पौधे मिलना बड़ी शर्मनाक और अस्पताल प्रशासन की सबसे बड़ी लापरवाही कही जा सकती है.

टी शर्ट में डॉक्टर और गुस्से में तहसीलदार

एक तरफ जींस टी शर्ट में डॉक्टर कम छात्र नेता नजर आ रहे थे डॉक्टर गोविंद पाटीदार, कहीं से भी डॉक्टर गोविंद डॉक्टर नहीं लग रहे थे वे ना तो ड्रेस कोड में थे और ना ही उनके बोलने का तरीका डॉक्टर जैसा था. वहीं तहसीलदार भी अपने पद के इस कदर गुमान में थे कि वे बार-बार अपने आप को सुपर डीएम समझ रहे थे. वे बात करने में भी पद का गुमान बता रहे थे. जबकि डॉक्टरों को ड्रेस कोड अनिवार्य है. लेकिन जिला अस्पताल में वरिष्ठ अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान ही डॉक्टर ड्रेस में नजर आते हैं बाकी समय वे जींस टी शर्ट में दिखते हैं.

'आर' कंपनी में फिर विवाद...

शहर में सटोरियों की 'आर' कंपनी में एक बार फिर जूतम पैजार देखने को मिली, तहसीलदार और डॉक्टरों का विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ था कि शहर के दो सटोरियें आपस में भीड़ गए. पुलिस अभी तहसीलदार और डाक्टरों के आवेदन की जांच कर ही रही थी कि सटोरियों के आपस के विवाद का मामला भी थाने पहुंच गया. किसी दिन शहर में 'आर' कंपनी का बड़ा विवाद देखने को मिल सकता है.

प्रशासन किसका पक्ष लेगा और किसको सजा देगा

जिला प्रशासन के सामने डॉक्टर और राजस्व विभाग का यह विवाद किसी चुनौती से कम नहीं है. अब जिला प्रशासन तहसीलदार का पक्ष लेता है तो डॉक्टरों के नाराज होने का डर और डॉक्टरों का पक्ष लेते हैं तो राजस्व अमला की नाराजगी झेलना पड़ेगी. लेकिन जिला प्रशासन को यदि निष्पक्ष कार्रवाई करना है तो तहसीलदार के खिलाफ भी कार्रवाई करना होगी क्योंकि उनका व्यवहार भी अमर्यादित रहा तो दूसरी और कुछ डॉक्टर भी मर्यादा भूल गए.

एक नजर में

कुएं में मिली 50 वर्षीय व्यक्ति की लाश

मोहन बड़ोदिया, 19 जुलाई. शनिवार को ग्राम दुधाना में जसमत सिंह राजपूत के कुएं पर एक अज्ञात व्यक्ति की लाश तैरती हुई मिली. जिसे देख कुएं मालिक ने मोहन बड़ोदिया पुलिस को सूचना दी. जिस पर मोहन बड़ोदिया पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति को कुएं से बाहर निकाला. जिस पर शव की पहचान गांव दुधाना के कैलाश पिता भगीरथ नरवरिया उम्र 50 वर्ष के रूप में हुई. शव को मोहन बड़ोदिया सीएचसी लाया गया. जहां सूचना पर बड़ी संख्या में ग्राम दुधाना के लोग और ग्राम पंचायत के सरपंच राकेश जायसवाल भी पहुंचे. थाने से प्रधान आरक्षक जगदीश दांगी द्वारा मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन को सौंपा गया और मामले की जांच की जा रही है.

मगरानिया में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

शुजालपुर, 19 जुलाई. पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे के विरुद्ध अभियान नशे से दुरी है जरूरी कार्यक्रम का आयोजन थाना शुजालपुर एवं साथिया संस्था के संयुक्त तत्वधान से ग्राम मगरानिया में किया गया. इस दौरान ग्राम में 70 बालक, बालिकाओं एवं ग्रामीणों को जागरूक किया गया. जिसमें ग्राम पंचायत मगरानिया के सरपंच प्रतिनिधि बाबूलाल मालवीय एवं वार्ड क्रमांक 18 के जनपद सदस्य प्रहलाद सिंह मेवाड़ा, सिद्धनाथ जादव उपस्थित रहे. जनप्रतिनिधियों ने नशे से होने वाले दुष्परिणामों को बताया. साथ ही साथिया वेलफेयर सोसाइटी से जिला समन्वय मांगीलाल जादव ने जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीण समुदाय के बच्चों महिलाओं को नशे से होने वाले दुष्परिणाम बताएं और कहा कि आप दिनभर मेहनत मजदूरी करते हैं और जब शाम को घर आते हैं तो आप किसी भी प्रकार का नशा करके आते हैं, आपकी दिनभर की मेहनत का पैसा आप नशे में उड़ा देते एवं आपके बच्चे पढ़ाई से पैसे के कारण वंचित रह जाते हैं, घर परिवार में राशन की भी समस्या आती है, आए दिन घर में महिला एवं बच्चों से झगड़े होते रहते हैं, यही चीज आगे चलकर बच्चे भी सीखते हैं इसीलिए नशे से दूर रहना चाहिए क्योंकि नशा करने से हमें आर्थिक सामाजिक एवं स्वास्थ्य पर बहुत बड़ा असर पड़ता है. सभी को नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया. साथिया संस्था से रुकमणी जादव ने भी ग्रामीणों को जागरूक किया.

वृक्ष गंगा अभियान तहत आज रोपे जाएंगे 1100 पौधे

शुजालपुर, 19 जुलाई. अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में वृहद पौध रोपण का आयोजन गायत्री शक्ति पीठ शुजालपुर द्वारा नागरिकों के सहयोग से 20 जुलाई रविवार को आयोजित किया जाएगा. धरा को हराभरा करने के संकल्प तहत यह आयोजन हो रहा है. गायत्री शक्ति पीठ शुजालपुर के प्रमुख भोजराज परमार ने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा देशभर में गुरू पूर्णिमा से जन्माष्टमी तक वृक्ष गंगा अभियान तरूपुत्र, तरूमित्र आयोजित किया जा रहा है. शुजालपुर में नांदासुरा रोड स्थित नई तहसील परिसर व स्टेडियम परिसर में 20 जुलाई रविवार को प्रात: 9 बजे से पौधरोपण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा, इस दौरान 1100 पौधे रोपने का संकल्प लिया गया है. यह जिला स्तरीय पौधरोपण कार्यक्रम हो रहा है, जिसमें जनप्रतिनिधियों सहित आमजनों की भागीदारी भी रहेगी. गायत्री परिवार ने नागरिकों से पौधे लेकर पौधरोपण के लिए आने की अपील की.

महादेव की भक्ति में नाचते गाते रवाना हुए श्रद्धालू, कल करेंगे महादेव का अभिषेक

शाजापुर,19 जुलाई. चल रे कावड़िया भरके गगरिया, शिव मंदिर हम जाएंगे, शिव का ध्यान लगाएंगे...उक्त भक्तिमय गीत नगर के वातावरण को सुबह से शिवमय बना रहे थे. अवसर था श्री शिवाय ग्रुप की कावड़ यात्रा का, जिसमें शामिल श्रद्धालू महादेव का गुणगान करते हुए उज्जैन के लिए रवाना हुए, जिन्हें नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर शुभकामनाओं के साथ विदा किया. यात्रा की शुरूआत एबी रोड स्थित बाबा मंगलनाथ महादेव मंदिर से हुई. जहां विधायक अरूण भीमावद, नगर मंडल अध्यक्ष पं. आशीष नागर, महामंत्री गोविंद नायक, सभापति प्रेम यादव सहित गणमान्य नागरिकों ने महादेव का अभिषेक कर महादेव से मंगल कामनाएं की. इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने नगर में भ्रमण किया. इसके बाद कावड़ यात्रा महाकाल महादेव के दरबार के लिए रवाना हुई. इसके पूर्व जहां जहां से भी कावड़ यात्रा गुजरी लोगों ने कावड़ियों का पुष्पवर्षा व स्वल्पाहार से कावड़ियों को विदाई दी.

हरकतें इनकी बता रही है, कि नौकरी इनकी नई-नई है....

जो जिम्मेदार अधिकारी होते हैं वे रखते हैं लहजा नर्म अपना, इनके हरकतें बता रही है, इनकी नौकरी नई-नई है. यह चंद पंक्तियां तहसीलदार और डॉक्टरों के विवाद पर चरितार्थ होती है. अचानक जिला अस्पताल मछली बाजार बन गया. हुआ यूं कि मजिस्ट्रेट के पावर का गुमान तहसीलदार के सर चढ़कर बोल रहा था, तो मानव सेवा का तमगा लिए हुए डॉक्टर भी स्कूली छात्रों की तरह तहसीलदार से भीड गए. वैसे भी कहा जाता है कि जिस पद में आखरी में 'र' शब्द आए उसमें गुमान अपने आप में आ जाता है. चूंकि तहसीलदार पद में आखरी में 'र' है तो गुमान आना पद के साथ ही मिला है. चूंकि डॉक्टर भी आखरी शब्द 'र' है तो थोड़ा गुमान उनमें भी है तो फिर डॉक्टर आरएमओ हो तो इसमें भी शुरू का शब्द आर है. तू तू मैं मैं, धरना प्रदर्शन, थाने तक आवेदन निवेदन सब कुछ हुआ, डॉक्टरों ने काम बंद कर दिया तो लगे हाथ पटवारियों का भी तहसीलदार के प्रति प्रेम जाग गया. अब पटवारियों की मजबूरी कहें या तहसीलदार के प्रति प्रेम, क्योंकि नामांतरण से लेकर हर काम पटवारियों को तहसीलदार से ही करवाना पड़ता है, इसलिए पूरी ताकत से जिंदाबाद मुर्दाबाद के नारे भी लगे. मगर जिस तरह की घटना अस्साल परिसर में हुई है उसे देखकर स्कूली बच्चे भी अपने पर फक्र महसूस करेंगे कि वे भी लड़ते हैं तो मर्यादा में. लेकिन आज दोनों ही जिम्मेदार विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने मर्यादा को तार तार किया है वहीं उस शपथ को भी कलंकित किया है जो नौकरी में आने के पहले ली जाती है. सिविल सेवा आचरण की तो धज्जियां उड़ी हैं. तहसीलदार और डॉक्टरों के बीच जब विवाद हो रहा था तो ना तो तहसीलदार पद की गरिमा रख पाए और ना डॉक्टर संयम बरत पाए. डॉक्टर टी शर्ट व जींस में पहलवानी करने के लिए उतरे थे तो तहसीलदार पर न्यायिक मजिस्ट्रेट का गुमान सवार हो गया था. वे डॉक्टर से झूमा झटकी करने लगे थे. अब देखना यह है कि दोनों का यह विवाद यहीं इतिश्री होता है या फिर कुछ आगे जनता के मनोरंजन के लिए नया एपिसोड देखने को मिलता है.

बात शाजापुर की

× Ùæð `

इनको इलाज का तनाव तो उनको नपती का टेंशन

डॉक्टर और तहसीलदार की तू तू मैं मैं और धरना प्रदर्शन के बाद अब सबसे बड़ी चर्चा इस बात की है कि यदि तहसील के लोगों को इलाज कराना होगा तो इन्हीं डॉक्टरों के पास जाना होगा. और डॉक्टरों को इस बात की चिंता रहेगी कि यदि कहीं जमीन, मकान, प्लाट लिया तो नामांतरण, नपती के लिए तहसील जाना होगा, यदि इस घटना के बाद राजस्व के कर्मचारियों का इलाज ठीक नहीं हुआ तो राजस्व कर्मचारी कहीं भी जरिब डाल सकते हैं. हालांकि दिन भर के ड्रामे के बाद शाम को मामले का पटाक्षेप हो गया.

पारी की शुरुआत फिर विवाद से

सिविल सर्जन बीएस मैना को विवाद दोष है. वे जब भी अस्पताल के सिविल सर्जन बनते हैं तो उनकी कुंडली में विवाद आ ही जाता है. पहले भी कई बार विवादों में रहे और अब 2025 में फिर सिविल सर्जन बनकर आए तो डॉक्टरों और तहसीलदार के बीच विवाद हो गया. इसलिए मैना साहब को विवाद पुरूष भी कह सकते हैं.

अंत में...

तहसीलदार और डॉक्टर विवाद पर ना आंच आई ना हुई जांच, दिन भर जनता करती रही इधर से उधर मार्च.

विद्युत उपभोक्ता पंचनामों की बकाया राशि जमा कराए

शाजापुर, 19 जुलाई. मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड शाजापुर सतर्कता विजिलेंस एवं संचाध्संधा द्वारा विद्युत अधिनियम की धारा 135 व 138 एवं 126 के तहत बनाए गए पंचनामों की बकाया राशि जमा कराने का अनुरोध विद्युत उपभोक्ताओं से किया गया है. पंचनामा की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के घरेलू, गैर घरेलू औद्योगिक एवं सिंचाई पंप कनेक्शनों को अस्थाई रूप से विच्छेदित करने की कारवाई विद्युत कंपनी द्वारा की जा रही है. इसके अलावा उक्त पंचनामों में राशि जमा नहीं कराने की स्थिति में अपराधिक प्रकरण भी विशेष न्यायालय शाजापुर में दर्ज कराये जाएंगें.

मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण

मोहन बड़ोदिया, 19 जुलाई. मोहन बड़ोदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर शनिवार सीएमएचओ के निर्देशन पर दस्तक सह स्टॉप डायरिया कैंपेन को लेकर मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण दिया गया.

बीआईओ गुरुदेव मेहता ने शनिवार जानकारी देते हुए बताया कि कैंपेन 22 जुलाई से 16 सितंबर तक चलेगा. जिसको लेकर एक दिवसीय बैठक मोहन बड़ोदिया सीएचसी पर रखी गई. जिसमे मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं जिनमें एएनएम, सीएचओ को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया. जिसमें कुपोषण, अतिकुपोषण, एनीमिया, दस्त को लेकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर एनआरआई में भर्ती किया जाएगा. उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य बाल मृत्यु दर को कम करना है. बैठक में मोहन बड़ोदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉक्टर राजेश रुहेला, बीपीएम प्रवीण खड़िया, बीईई बनेसिंह भिलाला सहित बड़ी संख्या में एएनएम और सीएचओ मौजूद रहे.

क्षेत्र से रूठे बदरा, नहीं हो रही वर्षा, उमस कर रही परेशान

बारिश की खेंच से सभी वर्ग चिंतित, शुजालपुर में अभी भी चार दिनों में मिल रहा नलों से पानी

शुजालपुर, 19 जुलाई. सावन माह का दूसरा सप्ताह चल रहा है और क्षेत्र में गर्मी के तेवर अभी भी बने हुए है, नागरिक उमस व गर्मी से परेशान हो रहे है तो नदियों में जो धारा सावन माह में दिखाई देती थी वह इस वर्ष नजर नहीं आ रही. नगर सहित अंचलों में पिछले एक सप्ताह से तेज बारिश नहीं हुई.

शनिवार को भी अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ऊपर और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री के आसपास रहा. साथ ही दिनभर आसमान साफ रहा, सुबह धूप में तीखा पन भी रहा. बारिश की इस खेच ने हर वर्ग को चिंतित कर रखा है. खरीफ फसल के रूप में बोई गई सोयाबीन फसल को पानी की दरकार है. क्षेत्र में जहां पथरीली जमीने है वहां पर नमी समाप्त हो चुकी है, सोयाबीन के पौधों को विकास के लिए पानी की आवश्यकता है. वैसे तो सम्पूर्ण जिले में इस वर्ष सर्वाधिक बारिश शुजालपुर तहसील में 242 एमएम हुई है, गत वर्ष इस अवधि तक 340 एमएम के लगभग बारिश हो चुकी थी. क्षेत्र में सबसे कम बारिश पोलायकलां तहसील में 66 एमएम दर्ज हुई है तो कालापीपल में 210 एमएम, गुलाना में 145 एमएम, अवंतिपुर बडोदिया तहसील क्षेत्र में 92 एमएम, मोहनबडोदिया तहसील क्षेत्र में 150 एमएम व शाजापुर तहसील में 125 एमएम बारिश हुई है. गत वर्ष पुरे जिले में अब तक औसत बारिश 293 एमएम थी, इस वर्ष मात्र 147 एमएम ही हुई है. शाजापुर जिले में वर्षभर का सामान्य वर्षा का आंकडा 988 एमएम माना जाता है.

बामनघाट पर नेवज नदी की स्थिति

शहर में जल संकट अभी भी बरकरार...

ग्रीष्म ऋतु के शुरूआत के साथ ही जो जल संकट शुजालपुर में उत्पन्न हुआ था वह अभी भी बना हुआ है, क्योंकि जमधड़ व नेवज नदी में पानी की आवक उतनी हुई है जितनी होना चाहिए. नेवज नदी में नांदासुरा बांध तक पानी अच्छा आ चुका है, जिसके चलते नगर पालिका यहां पर कडी शटर हटवा रही है, लेकिन जब तक बामन घाट बांध में पानी की बहाव नहीं बढ़ता है तब तक शहर के लोगों को जल संकट का सामना करना पडेगा. गर्मी की तरह वर्तमान में भी तीन दिन छोडकर चौथे दिन नगर पालिका द्वारा शहर में जल प्रदाय किया जा रहा है. नागरिकों को सावन माह में भी पानी की पूर्ति के लिए टेंकर खरीदना पड़ रहे है या पानी परिवहन कर लाना पड़ रहा है. जल कार्य शाखा के प्रेमसिंह थापा ने बताया कि नेवज नदी में बामनघाट पर जब तक पानी बहकर नहीं निकलता है तब तक जल प्रदाय का अंतराल घटाना मुश्किल है.

एक नजर में — आयोजन को लेकर हुई समिति की बैठक, बनाई रूपरेखा

1 से शुरू होगी राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता

शाजापुर, 19 जुलाई. 1 से 3 अगस्त तक जिला मुख्यालय स्थित गांधी हाल में आयोजित होगी. उक्त प्रतियोगिता को लेकर गुरूवार शाम को शाजापुर स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतियोगिता को लेकर रूपरेखा तय की गई. साथ ही अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की गई.

कराते एसोसिएशन से संबद्ध मेच्योर कराते एसोसिएशन की बैठक में एसोसिएशन अध्यक्ष विश्वामित्र अवार्डी शिहान जयदेव शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 500 खिलाड़ी शामिल होंगे. साथ ही अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी उन्होंने सभी पदाधिकारियों से चर्चा कर रूपरेखा बनाई और सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए. बैठक में शाजापुर स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. शुभम गुप्ता, सचिव सेन्साई माजिद खान, संरक्षक ओम उमठ, अभय भौंसले, प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चौहान, नवनीत दुबे, संजय शिवहरे, मनीष शर्मा, विजय ठाकुर, वैभव जैन, उमेश टेलर, अजय यादव, सुशील शर्मा, सनी जायसवाल, अंशुल उदासी, जयेश जायसवाल, मनोहर राय, डॉ. सचिन नायक, पार्षद दुष्यंत सोनी, जयप्रकाश सोनी, डॉ. श्याम मंडलोई, इंदर धाकड़, विनय सर, विजय कुशवाह, मनीष सोनी, आनंद शिवहरे, रिक्की शिवहरे, विक्की शिवहरे, डॉ. गोविंद पाटीदार, देव्यं मेहता, एडव्होकेट विवेक शर्मा, हरीश कुशवाह, प्रमोद कुशवाह, आयुष सोनी, धीरेंद्र भदौरिया आदि उपस्थित थे, जिन्होंने नगरवासियों से उक्त प्रतियोगिता को सफ्ल बनाने की अपील की है.

पेड़ की डाली गिरने से झुके विद्युत तार

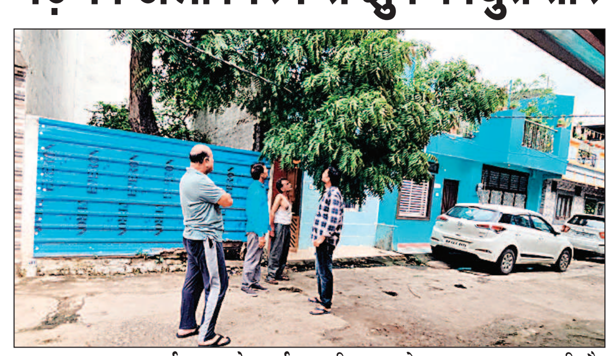

शाजापुर, 19 जुलाई. नगर के वार्ड क्रमांक 27 आदित्य नगर में एक नीम की भारी डाली बिजली की एमपीवी लाइन पर गिर गई. गणेश मंदिर के पास हुई इस घटना से केबल काफी नीचे झुक गई है.

स्थानीय लोगों ने तुरंत बिजली कंपनी को सूचना दी. कंपनी के जेई अहिरवार ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेजा गया. टीम केबल से डाली हटाने और लाइन को ठीक करने का काम कर रही है. आदित्य नगर में रहने वाले बाबूलाल वर्मा ने बताया कि डाली के अचानक गिरने से बिजली की लाइन प्रभावित हुई है. तेज हवा चलने या पेड़ के और नीचे गिरने से केबल टूट सकती है. क्षेत्र में नीचे लोगों के घर हैं और बच्चे भी वहां खेलते रहते हैं. क्षेत्र के निवासियों ने इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए पुराने और झुके पेड़ों की छंटाई की मांग की है.